भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं. 1256

गुरूवार, 5 दिसम्बर, 2024/14 अग्रहायण, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

एमआईसीई पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पहल

1256 श्री कार्तिकेय शर्मा:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) अवसंरचना, रोजगार सृजन और राजस्व योगदान के संदर्भ में भारत में 'बैठक, प्रोत्साहन, सम्मेलन और प्रदर्शनी (एमआईसीई)' पर्यटन क्षेत्र का वर्तमान बाजार आकार क्या है और इसके विकास की क्या संभावनाएं हैं, और तत्संबंधी राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) भारत को एमआईसीई पर्यटन के पसंदीदा वैश्विक गंतव्य के रूप में बढ़ावा देने के लिए अपनाए गए उपायों का ब्यौरा क्या है; और

(ग) हरियाणा और एनसीआर में एमआईसीई पर्यटन से संबंधित विशेषज्ञता प्राप्त कौशल, मानव संसाधन और अवसंरचना विकास को बढ़ावा देने के लिए उठाए जा रहे कदमों का जिला-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ग): एमआईसीई पर्यटन सहित पर्यटन स्थलों और उत्पादों का विकास और संवर्धन मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन की जिम्मेदारी है। हालांकि, अपनी चल रही गतिविधियों के हिस्से के रूप में, पर्यटन मंत्रालय नियमित रूप से सोशल मीडिया और वेबसाइटों सहित विभिन्न माध्यमों से एमआईसीई पर्यटन सहित भारत का एक समग्र पर्यटन गंतव्य के रूप में संवर्धन करता है।

पर्यटन मंत्रालय ने एमआईसीई को पर्यटन के महत्वपूर्ण घटकों में से एक के रूप में चिह्नित किया है। मंत्रालय ने हरियाणा और दिल्ली एनसीआर सहित देश में एमआईसीई उद्योग के विकास को बढ़ावा देने के लिए एमआईसीई उद्योग के लिए एक राष्ट्रीय रणनीति और रोडमैप भी तैयार किया है। एमआईसीई रणनीति संबंधी दस्तावेज़ में निम्नलिखित प्रमुख स्तंभों की पहचान की गई है:-

(i) एमआईसीई के लिए संस्थागत समर्थन

(ii) एमआईसीई के लिए पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करना

(iii) भारतीय एमआईसीई उद्योग की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाना
(iv) एमआईसीई संबंधी आयोजनों के लिए व्यापार करने में आसानी को बढ़ाना
(v) एमआईसीई गंतव्य के रूप में भारत का विपणन करना
(vi) एमआईसीई उद्योग के लिए कौशल विकास

पर्यटन मंत्रालय द्वारा प्रायोजित 2019 में किए गए एमआईसीई अध्ययन के अनुसार, भारत के एमआईसीई उद्योग की निम्नलिखित विशेषताएँ हैं:-

(i) बाजार का आकार 37,576 करोड़ रुपये का है, जिसमें से 60 प्रतिशत बैठकें, प्रोत्साहन और सम्मेलनों के कारण है।
(ii) अंतर्राष्ट्रीय एमआईसी का हिस्सा बाजार के आकार का 22% (~22%) है।
(iii) 65 प्रतिशत बिजनस टू बिजनस (बी2बी) इवेंट हैं।
(iv) बैठकें और प्रोत्साहन 5-सितारा संपत्तियों के लिए पूरे एमआईसीई सेगमेंट का ~70% हिस्सा बनाते हैं।
(v) भारत का आउटबाउंड एमआईसीई बाजार वैश्विक स्तर पर सबसे तेजी से बढ़ते बाजारों में से एक है।

****